स्वाद के पीछे छिपा खतरा : आइसक्रीम की जगह फ्रोजन डेजर्ट !

असली आइसक्रीम बनाम फ्रोजन डेजर्ट खरीदने से पहले जान लें सच

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. गर्मी बढ़ते ही शहर में आइसक्रीम, कुल्फी, आइस कैंडी और ठंडे पेय पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ जाती है. बच्चे हों या बड़े, हर कोई गर्मी से राहत पाने के लिए आइसक्रीम खाना पसंद करता है. लेकिन बाजार में जिस चीज को लोग आइसक्रीम समझकर खा रहे हैं, वह वास्तव में कई मामलों में फ्रोजन डेज़र्ट होती है. दिखने और स्वाद में समान होने के कारण अधिकांश लोग दोनों के बीच का अंतर नहीं समझ पाते. खाद्य विभाग का कहना है कि यही भ्रम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है.

खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि असली आइसक्रीम और फ्रोजन डेज़र्ट के बीच मूल अंतर उनके निर्माण में उपयोग होने वाली वसा का होता है. आइसक्रीम दूध और डेयरी फैट से तैयार की जाती है, जबकि फ्रोजन डेज़र्ट में दूध की वसा की जगह वनस्पति तेल, विशेष रूप से पाम ऑयल या वेजिटेबल फैट का उपयोग किया जाता है. यही कारण है कि फ्रोजन डेज़र्ट अपेक्षाकृत सस्ते होते हैं और बड़ी मात्रा में बाजार में उपलब्ध रहते हैं. उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुसार किसी भी उत्पाद को आइसक्रीम तभी कहा जा सकता है जब उसमें डेयरी फैट का इस्तेमाल हुआ हो. यदि उसमें वेजिटेबल ऑयल या वेजिटेबल फैट का उपयोग किया गया है तो उसे 'फ्रोजन डेज़र्ट के रूप में ही बेचना अनिवार्य है. इसके बावजूद कई कंपनियां अपनी ब्रांडिंग और पैकेजिंग इस तरह करती हैं कि उपभोक्ता भ्रमित होकर उसे आइसक्रीम ही समझ लेते हैं.

अधिक सेवन नुकसानदायक: विशेषज्ञों के अनुसार फ्रोजन डेज़र्ट में अक्सर लिक्विड ग्लूकोज, सिंथेटिक फ्लेवर, शुगर सिरप, वेजिटेबल सोया

प्रोटीन और कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किया जाता है. यही वजह है कि यह लंबे समय तक टिके रहते हैं और देखने में ज्यादा आकर्षक लगते हैं. हालांकि स्वास्थ्य की दृष्टि से इनका अधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है. जानकारी के मुताबिक आइसक्रीम में प्रति 100 ग्राम लगभग 5.6 ग्राम फैट होता है, जबकि फ्रोजन डेज़र्ट में यह मात्रा 10 ग्राम से अधिक हो सकती है.

खाद्य विभाग चला रहा जांच अभियान: गर्मी के मौसम में मिलावट और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए खाद्य विभाग लगातार जांच अभियान चला रहा है. खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि मार्च से 10 मई 2026 तक कुल 106 नमूने जांच के लिए लिए गए हैं. इनमें आइसक्रीम के 36, जूस के 4, पेप्सी और आइस कैंडी के 9, एनर्जी ड्रिंक के 53 और एडिबल आइस के 4 नमूने शामिल हैं. जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों और निर्माताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

लगातार जारी रहेगा अभियान: खाद्य विभाग का कहना है कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा. विभाग विशेष रूप से ऐसे उत्पादों पर नजर रख रहा है जिनमें अधिक मात्रा में केमिकल, सिंथेटिक रंग या प्रतिबंधित तत्वों का उपयोग किया जा रहा है. अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सस्ते और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद खरीदने से पहले उनकी सामग्री अवश्य पढ़ें और किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर खाद्य विभाग को जानकारी दें. गर्मी में राहत देने वाली आइसक्रीम और ठंडे उत्पाद स्वाद जरूर देते हैं, लेकिन जागरूकता के बिना यही स्वाद स्वास्थ्य के लिए खतरा भी बन सकता हैच इसलिए जरूरी है कि उपभोक्ता केवल विज्ञापन और पैकेजिंग देखकर नहीं, बल्कि लेबल पढ़कर समझदारी से खरीदारी करें.

ठंडे उत्पाद सीमित मात्रा में करें सेवन

चिकित्सक डॉ अमित लोधी ने बताया कि फ्रोजन डेज़र्ट में उपयोग होने वाले पाम ऑयल और अन्य रसायन शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकते हैं. जिन लोगों को पहले से कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग या मोटापे की समस्या है, उनके लिए ऐसे उत्पाद ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकते हैं. बच्चों में अधिक मात्रा में कृत्रिम रंग, शुगर सिरप और सेकरीन वाले उत्पाद खाने से भूख कम लगना, दांत खराब होना और पेट संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं. उन्होंने कहा कि पारंपरिक कुल्फी और शुद्ध दूध से बनी आइसक्रीम अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प मानी जा सकती हैं, क्योंकि इनमें डेयरी उत्पादों का उपयोग होता है और कृत्रिम तत्व कम होते हैं. हालांकि किसी भी मीठे और ठंडे उत्पाद का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए.

पैकेट का लेबल ध्यान से पढ़ें

मनीष स्वामी ने उपभोक्ताओं को सलाह देते हुए कहा कि जब भी कोई आइसक्रीम खरीदें तो पैकेट का लेबल ध्यान से पढ़ें. यदि सामग्री की सूची में 'वेजीटेबल आइल', 'वेजीटेबल फेट' या 'पाम आइल' लिखा हो तो समझ लें कि वह फ्रोजन डेज़र्ट है. पैकेट पर 'फ्रोजन डेजर्ट' लिखा होना भी इसकी पहचान है. उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार फ्रोजन डेज़र्ट को आइसक्रीम बताकर बेचना अपराध की श्रेणी में आता है और इस पर कार्रवाई की जा सकती है.

एक नजर में

ज़ाइस विज़न सेण्टर किया लॉन्च

इंदौर. ज़ाइस ने इंदौर में न्यू लुक ऑप्टिक्स द्वारा संचालित ज़ाइस विज़न सेण्टर के लॉन्च की घोषणा की है. यह लॉन्च मध्य प्रदेश में पहला ज़ाइस विज़न सेण्टर है, जो ज़ाइस इंडिया की रिटेल उपस्थिति को और मजबूत करते हुए उभरते बाजारों में उन्नत विज़न केयर समाधानों की पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. प्लॉट नंबर बी 81, पिपलियाहाना, ग्रेटर ब्रजेश्वरी में स्थित यह सेंटर ग्राहकों को एक व्यापक एवं उन्नत आई केयर अनुभव प्रदान करता है. ज़ाइस विज़न सेण्टर बाय न्यू लुक ऑप्टिक्स के संयुक्त मालिक वीपी अग्रवाल, विशाल गर्ग, और सार्थक अग्रवाल ने कहा हमने इंदौर क्षेत्र में बेहतर रिटेल अनुभव की स्पष्ट आवश्यकता देखी. मेट्रो शहरों और इंदौर में ग्राहकों को मिलने वाली सेवाओं के बीच एक स्पष्ट अंतर है, और ज़ाइस विज़न सेण्टर बाय न्यू लुक ऑप्टिक्स इसी अंतर को कम करने का प्रयास करेगा. ज़ाइस इंडिया के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम इंदौर में ज़ाइस विज़न सेण्टर लेकर आए हैं, जिससे विश्वस्तरीय प्रिसिजन ऑप्टिक्स और कस्टमाइज्ड आईवियर अब अधिक सुलभ होंगे.

इंडिया फर्स्ट लाइफ ने लॉन्च किया गोल्ड प्लस

इंदौर. इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (इंडिया फर्स्ट लाइफ) ने आज इंडियाफर्स्ट लाइफ गोल्ड प्लस प्लान लॉन्च करने की घोषणा की है. यह एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग, इंडिविजुअल लाइफ इंश्योरेंस सेविंग्स प्लान है, जिसे जीवन के हर पड़ाव पर ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है. यह बचत और नियमित आय की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और अन्य जीवन लक्ष्यों की योजना बनाने तथा लंबी अवधि की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करता है. लॉन्च पर इंडियाफर्स्ट लाइफ के एमडी एवं सीईओ रुशभ गांधी ने कहा, आज के ग्राहक विकास से समझौता किए बिना निश्चितता चाहते हैं. इंडियाफर्स्ट लाइफ गोल्ड प्लस प्लान के साथ हम इन दोनों जरूरतों को एक साथ पूरा कर रहे हैं. यह प्लान आय और मैच्योरिटी पर गारंटीड लाभ के साथ-साथ इक्विटी एक्सपोजर द्वारा समर्थित असीमित बढ़त की संभावना भी प्रदान करता है.

ग्राहकों को सिर्फ ड्रिंक ही नहीं, बेहतर अनुभव की भी तलाश

इंदौर. भारतीय बेवरेज मार्केट तेजी से बदल रहा है. अब ग्राहक सिर्फ नाम या कीमत नहीं, बल्कि क्वालिटी, अनुभव और बेहतर विकल्पों की भी तलाश कर रहे हैं. इसी बदलती पसंद के बीच मध्य प्रदेश की 40 साल पुरानी कंपनी ग्रेट गैलियन वेंचर्स लिमिटेड (जीजीवीएल) अब अपने नए कंज्यूमर ब्रांड्स के साथ बाजार में नई पहचान बनाने की तैयारी कर रही है. प्रोडक्शन, कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग और सस्टेनेबल पैकेजिंग में मजबूत अनुभव रखने वाली जीजीवीएल अब अपने खुद के भारतीय ड्रिंक्स पोर्टफोलियो पर फोकस कर रही है. ग्रेट गैलियन वेंचर्स लिमिटेड के वीपी-बिज़नेस ग्रोथ, उत्सव केडिया ने कहा आज ग्राहक कम कीमत में भी बेहतर क्वालिटी और प्रीमियम अनुभव चाहते हैं. हमारा प्रयास ऐसे प्रोडक्ट्स तैयार करना है, जो स्वाद, गुणवत्ता और वैल्यू के बीच सही संतुलन बना सकें. कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में वी21 प्रीमियम, रास्कल आरटीडी, बिग बुल रम और रिट्ज प्रीमियम व्हिस्की जैसे कई ब्रांड्स विकसित किए हैं. अब इसी पोर्टफोलियो में 'बैच मास्टर व्हिस्की' को भी शामिल किया गया है.

एमेज़ॉन डिलीवरी एसोसिएट्स को हैल्थ कवरेज देगा

इंदौर. आज एमेज़ॉन इंडिया ने भारत में अपने ऑपरेशन नेटवर्क में काम करने वाले लगभग 90,000 डिलीवरी एसोसिएट्स को हैल्थ एवं इंश्योरेंस बेनेफिट्स प्रदान करने की घोषणा की. इन बेनेफिट्स में रूटीन मेडिकल खर्चों के लिए ओपीडी कवरेज, इन-पेशेंट केयर के लिए हॉस्पिटलाईज़ेशन सपोर्ट और अस्थायी या स्थायी विकलांगता होने पर मुआवजा शामिल है, ताकि तत्कालिक मेडिकल जरूरतों और चोट के कारण होने वाले आय के नुकसान का कवरेज उन्हें मिल सके. ये बेनेफिट्स सभी लास्ट-माईल प्रोग्राम्स के एसोसिएट्स के लिए शुरू किए जाएंगे. एमेज़ॉन इंडिया में डायरेक्टर-ऑपरेशंस, सलीम मेमन ने कहा हम भारत में अपने ऑपरेशन नेटवर्क, इन्फ्रास्ट्रक्चर और फ्रंटलाईन स्टाफ में लगातार निवेश कर रहे हैं. हमारे लिए हमारे डिलीवरी एसोसिएट्स की सेहत व सुरक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है. हम उनके लिए ओपीडी, हॉस्पिटलाईज़ेशन और एक्सीडेंट बेनेफिट्स का कवरेज बढ़ाएंगे ताकि उन्हें ज्यादा विस्तृत सपोर्ट मिल सके. हम पूरे देश में हैल्थ कैंपों का आयोजन भी कर रहे हैं, ताकि उन्हें फ्री चेकअप और प्रिवेंटिव केयर उपलब्ध हो सकें.

कैनन इंडिया ने इमेजफोर्स सी3150 का लॉन्च किया

इंदौर. कैनन इंडिया ने आज इमेजफोर्स सी3150 का लॉन्च किया। यह बड़े उद्यमों, एस.एम.ई, सरकारी संगठनों और कॉपी शॉप मालिकों के लिए बनाई गई एक हाई-परफॉर्मेंस ए3 कलर मल्टीफंक्शन डिवाइस है, जो प्रति मिनट 50 पेज तक का तेज कलर आउटपुट प्रदान करती है. इमेजफोर्स सी3150 भारी और बहुत ज्यादा मात्रा में प्रिंटिंग के लिए लगातार शानदार क्वालिटी, विश्वसनीयता और मीडिया फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करता है. कैनन इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ तोशियाकी नोमुरा ने कहा कैनन इंडिया में हमारा उद्देश्य लगातार अपने बिज़नेस इमेजिंग पोर्टफोलियो को मजबूत बनाना है, ताकि हम भारत में मौजूद एंटरप्राइज़, संस्थानों और व्यवसायों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकें. इमेजफोर्स सी3150 ए3 कलर एमएफडी के लॉन्च से ग्राहकों को अपनी प्रिंटिंग क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए बेहतरीन परफॉर्मेंस और भरोसेमंद समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है.

हिंदी ज़ी5 ने सतरंगी-बदले का खेल का ट्रेलर लॉन्च किया

इंदौर. ज़ी5 ने अपनी नई हिंदी मूल ड्रामा श्रृंखला सतरंगी- बदले का खेल का ट्रेलर जारी कर दिया है, यह कहानी ग्रामीण उत्तर प्रदेश के सामंती माहौल पर आधारित है. इस श्रृंखला में अंशुमान पुष्कर, कुमुद मिश्रा, महवश, उपेन चौहान और कशिश दुग्गल मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे. श्रृंखला का निर्देशन जय बसंतू सिंह ने किया है और इसका निर्माण आरएनडी फिल्म एलएलपी ने किया है. यह श्रृंखला 22 मई 2026 को प्रदर्शित होगी. सतरंगी - बदले का खेल की कहानी बबलू महतो (अंशुमान पुष्कर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक लौंडा नाच कलाकार के बेटे के रूप में अपमान और चुप्पी के माहौल में बड़ा होता है. निर्देशक जय बसंतू सिंह ने कहा रूप से सतरंगी - बदले का खेल एक ऐसे आदमी की कहानी है जो समझता है कि किसी भी व्यवस्था को सिर्फ ताकत से नहीं तोड़ा जा सकता, बल्कि उन्हें तोड़ने के लिए यह सीखना पड़ता है कि उनके अंदर रहकर कैसे काम किया जाए. यह सीरीज़ बदले की कहानी तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा यह सत्ता की कहानी है — सत्ता किसके पास है, कौन उसके लिए काम करता है, और कौन उसे नए तरीके से बदलने की हिम्मत करता है.

6 सौ करोड़ की जमीन को लेकर आईडीए सुप्रीम कोर्ट में

- पूर्वी रिंग रोड पर योजना 94 में स्थित 3 एकड़ जमीन का
- मामला, जिसमें आईडीए हाईकोर्ट से हार चुका

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के पूर्वी रिंग रोड की बेशकीमती जमीन को लेकर आईडीए सुप्रीम कोर्ट में उलझा हुआ है. उक्त जमीन की वर्तमान कीमत 6 सौ करोड़ बताई जा रही है. यह बात अलग है कि आईडीए ने सुप्रीम कोर्ट में अन्य पांच और मामले में किमती जमीनों को लेकर याचिका दायर कर रखी है.

दरअसल आईडीए के सीईओ सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी पिछले कुछ दिनों से लगातार सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका को लेकर बहुत व्यस्त है. सभी अधिकारी पिछले दो तीन हफ्तों से संपदा, भू अर्जन और विधि विभाग के अधिकारी दिल्ली में डेरा डाले रहे. इसका कारण है पूर्वी रिंग रोड पर योजना 94 में स्थित 3 एकड़ जमीन का मामला है, जिसमे आईडीए हाईकोर्ट से हार चुका है. हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ आईडीए ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका

दायर की है. याचिका रुचि सोया ग्रुप के महादेव शाहरा और आईडीए के बीच वर्ल्ड कप चौराहे पर स्थित 3 एकड़ यानि 1 लाख 35 वर्ग फुट जमीन है. उक्त जमीन आईडीए से महादेव शाहरा ने शिक्षण संस्थान के लिए ली थी. इस बात की बीस साल बिग चुके हैं. आईडीए सूत्रों के अनुसार उक्त जमीन इस शर्त पर आवंटित की गई थी कि प्रदेश शासन से अनुमति मिलने पर हैंड ओवर कर की जाएगी. तत्समय आईडीए ने 32 करोड़ में जमीन आवंटित की थी, लेकिन शासन अनुमति की शर्त प्रभावी थी, जो आज भी लागू है. मगर आज आईडीए की उक्त 3 एकड़ जमीन की वर्तमान कीमत करीब 6 सौ करोड़ रुपए बताई जा रही है.

गंभीरता से लड़ रहे लड़ाई: चूंकि प्रदेश शासन ने अनुमति नहीं तो जमीन आज भी आईडीए की है. आईडीए ही उसका असली मालिक है. उक्त तर्कों को लेकर पिछले 15 से 20 दिनों ने सीईओ, संपदा, भू अर्जन और विधि विभाग के अधिकारी दिल्ली - इंदौर एक किए हुए है. आईडीए पूरी ताकत के साथ दिल्ली में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती पेश कर 6 सौ करोड़ की जमीन को लेकर गंभीरता से लड़ाई लड़ रहा है.

प्रदेश शासन ने अनुमति जारी नहीं की

मामला कोर्ट में इसलिए पहुंचा कि उक्त जमीन की अनुमति प्रदेश शासन ने आज तक जारी ही नहीं की है. दूसरी ओर आवंटिती ने कोर्ट में अनुमति को लेकर दायर याचिका में तर्क दिया कि आईडीए और शासन के बीच का मामला है और आईडीए शासन से अनुमति लेकर दे. आईडीए ने शर्त का हवाला दिया है कि प्लॉट देते समय ही यह स्पष्ट था कि प्रदेश शासन से अनुमति मिलने पर ही जमीन का कब्जा मिलेगा.

रालामंडल फ्लाई ओवर ब्रिज से यातायात शुरू

- एनएचएआई ने किया है निर्माण

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के बायपास पर एनएचएआई द्वारा रालामंडल फ्लाई ओवर ब्रिज से मंगलवार को यातायात शुरू कर दिया गया. उक्त फ्लाई ओवर ब्रिज शुरू होने से बायपास पर यातायात जाम से निजात मिलेगी.

शहर में एनएचएआई द्वारा निर्माणाधीन तीन फ्लाई ओवर में से दो फ्लाई ओवर का निर्माण पूरा हो गया है. कल एनएचएआई ने अर्जुन बडौद फ्लाई ओवर शुरू किया था. आज एनएचएआई ने रालामंडल फ्लाई ओवर पर यातायात खोल दिया. इसके साथ ही शहर में यातायात व्यवस्था के दो ब्लैक स्पॉट भी कम हो गए है. साथ ही बायपास पर ट्रैफिक जाम से वहां चालको को निजात मिलेगी. रालामंडल फ्लाई ओवर ब्रिज मल्होत्रा कंस्ट्रक्शन ने बनाया है. उक्त फ्लाई ओवर ब्रिज 6 लेन चौड़ा और करीब 7 सौ मीटर लंबा है. इसकी निर्माण लागत करीब 29 करोड़ रुपए आई है. एनएचएआई ने बाय पास पर करीब 130 करोड़ रुपए से तीन फ्लाई ओवर ब्रिज बनाने का ठेका दिया था। दो ब्रिज का निर्माण पूरा हो गया है. एमआर 10 बायपास पर थ्री लेयर ब्रिज निर्माण कार्य चल रहा है, जो संभवत: दिसंबर में पूरा हो जाएगा.

आज रालामंडल फ्लाई ओवर ब्रिज पर सांसद शंकर लालवानी और विधायक मधु वर्मा की उपस्थिति में यातायात के लिए शुरू कर दिया गया. इस अवसर पर ग्रामीणों ने ने आतिशबाजी एवं शंखनाद कर हर्ष व्यक्त किया. इस मौके पर रवि रावलिया, विश्वजीत सिसोदिया, मुरली मस्करा, गणपत सिंह गौड़ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

कार पूलिंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें

- महापौर की शहरवासियों से अपील

इंदौर. महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहरवासियों से हफ्ते में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करने की अपील की है. साथ ही एक दिन नो कार डे और कार पूलिंग करने की बात कही है. महापौर स्वयं भी इस नियम का पालन करेंगे.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान परिस्थितियों और भविष्य की चिंता करते हुए देश की जनता से ईवी के प्रयोग, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के प्रयोग और डीजल पेट्रोल की कम खपत का आह्वान किया है. हमें खुशी है इस बात की कि इंदौर जिसको प्रधानमंत्री मोदी ने ने एक दौर कहा है, एक बार फिर इस बात को सिद्ध करता है कि पिछले तीन सालों से लगातार ये शहर पूरे देश को नो कार डे के माध्यम से इसी तरह का संदेश देता आया है.

प्रधानमंत्री की इस अपील पर मैं इंदौरवासियों से आग्रह करता हूँ कि हम सब यथा संभव कार पूलिंग करें, हफ्ते में कम से कम एक दिन नो कार डे मनाएं. संभव हो तो पब्लिक ट्रांसपोर्ट का भी अधिक से अधिक प्रयोग करें. मैं भी हफ्ते में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करूँगा और प्रयास करके नो कार जे को भी हफ्ते में एक दिन फॉलो करूँगा.

बारिश से पहले ट्रेजर टाउन सड़क का निर्माण पूरा करें : महापौर

- वार्ड 78 में महापौर और विधायक ने किया निरीक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम वार्ड 78 में स्थित ट्रेजर टाउन सड़क का निर्माण कार्य बारिश से पहले पूरा करें. उक्त बात महापौर ने आज क्षेत्रीय विधायक के साथ वार्ड में निरीक्षण के दौरान कही. महापौर आज वार्ड में स्वच्छता और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करने पहुंचे थे. महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक मधु वर्मा ने राऊ विधानसभा के वार्ड क्रमांक 78 का मौका निरीक्षण किया. इस दौरान दोनों ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की. महापौर भार्गव और विधायक वर्मा ने निर्माणाधीन ट्रेजर टाउन सड़क निर्माण की वर्तमान स्थिति पर अधिकारियों से जानकारी ली. सड़क निर्माण में

बाधक अतिक्रमणों और अन्य अवरोधक को हटाने का कार्य प्राथमिकता से करने के आदेश दिए. उन्होंने बारिश से पहले सड़क निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए. इस मौके पर जलकार्य प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा, ओपी आर्य, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, नगर निगम के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे.

बिजलपुर में निर्माणाधीन संपवेल का किया दौरा

महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, अभिषेक बबलू शर्मा ने बिजलपुर में निर्माणाधीन संपवेल का भी अवलोकन किया. इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से चर्चा कर कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए. महापौर ने बताया कि इस योजना के पूरा होने के बाद पश्चिमी क्षेत्र में लंबे समय से बनी पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा.

आयुक्त ने बगीचों, सीटीपीटी एवं घाटों की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज सुबह निगम आयुक्त ने शहर के विभिन्न उद्यानों, सीटीपीटी एवं घाट क्षेत्रों में साफ-सफाई कार्यों का निरीक्षण किया. इस दौरान सफाई व्यवस्था में खामी मिलने पर दरोगा को फटकार लगाई और सफाई के समझाइश देने के साथ जुर्माना लगाने के निर्देश दिए.

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बांगड़दा रोड क्षेत्र में स्थित सीटीपीटी एवं कुएं का निरीक्षण कर वहां की साफ-सफाई एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया. इसके पश्चात आयुक्त द्वारा रामकृष्ण आश्रम के पास बगीचे का निरीक्षण किया. बगीचे में सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर आयुक्त ने उद्यान दरोगा को फटकार लगाई और सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए. साथ ही अग्रसेन कॉलोनी उद्यान, वीआईपी रोड स्थित बटालियन के पास आरएपीटीसी उद्यान एवं सीटीपीटी की सफाई व्यवस्था का भी अवलोकन किया

गया. आयुक्त ने एयरपोर्ट रोड एवं आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग तथा सफाई व्यवस्था को अधिक महत्व देने के निर्देश दिए.

घाटों की निरंतर सफाई करने के निर्देश

यरपोर्ट रोड़ के बाद आयुक्त सिंघल द्वारा गणगौर घाट एवं कृष्णपुरा छत्री घाट का निरीक्षण कर नदी-नाला सफाई कार्यों का अवलोकन किया गया। उन्होंने अधिकारियों को घाटों की निरंतर सफाई करने, जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने के आदेश दिए. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह, मनोज पाठक सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे.

एक नजर में — प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने नर्सेस का किया सम्मान

नर्स का काम करुणा, सेवा व मानवता की मिसाल

इंदौर. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल विंग के द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर ज्ञानशिखर ओमशांति भवन में सेवामूर्ति नर्सेस का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एम.वाय., डीएनएस, सीएचएल, क्योरवेल हॉस्पिटल के नर्सेस का तिलक, माला, दुपट्टा, बैच एवं प्रेरणादाई स्लोगन देकर सम्मान किया गया.

इस अवसर पर इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि नर्स का काम एक पेशा नहीं अपितु दया, करुणा, सेवा तथा मानवता का जीता जागता मिसाल है. उनके सामने अनेक चुनौतियां होती हैं कई बार बहुत गंभीर मरीज आ जाते हैं जिनके ऊपर बहुत ज्यादा अटेंशन देना पड़ता है. उनके परिवार वालों का भी दबाव रहता है. इन सभी जिम्मेवारियों को निभाने के लिए नर्स आध्यात्मिक रूप से सशक्त बने, परमात्मा को अपना साथी बनाकर उनसे कनेक्शन जोड़े तो इन विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की एक सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी और हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहेंगे. फिजिशियन डॉ. शिल्पा देसाई ने कहा कि हमने दो दिन पहले मातृ दिवस मनाया, तो हमारी नर्सेस भी दिन-रात अपना सब कुछ त्याग कर मातृतुल्य मरीजों की पालना करती हैं. कोरोना काल को याद करते हुए कहा कि जब मरीज के सामने उनके परिजन भी नहीं होते थे ऐसे में हमारी नर्सें अपना जीवन खतरे में डालकर उन्हें बाहों में लेकर दवाइयां खिलाती, उनमें हिम्मत, उमंग उत्साह बढ़ाती थी.

सैनिक की तरह है व्यवसाय

एमवाय हॉस्पिटल की सीनियर नर्सिंग ऑफिसर एलविना सिंह ने कहा कि नर्सिंग व्यवसाय एक सैनिक की तरह है. सैनिक देश की रक्षा के लिए दुश्मनों से लड़ते हैं और हम सबके परिवारों के लिए, उनकी बीमारी के लिए लड़ते हैं. उनके सामने संघर्षपूर्ण वातावरण होते हुए भी वे अपनी जिम्मेदारी को आगे रखते हुए उसे सेवाभाव से करती हैं. नर्स बहन प्रियंका फावड़े ने अपना अनुभव सुनाया. संचालन मेडिकल विंग की जोनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने किया. ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने आभार माना.